जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

हिण्डौन सिटी

Rashtradoot

फोनः- 230200, 230400 फैक्सः- 07469-230600 वर्षः 15 संख्याः 22 प्रभात हिण्डौन सिटी, मंगलवार 22 नवम्बर, 2022 पो. रजि.SWM-RJ-6069/2017-18 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

टैक्सस की तेज गर्मी वाइट टेल्ड डियर में ऐंटलर्स (सींग) के विकास को प्रभावित कर रही है। इस राज्य में सूखे के हालात बिगड़ते ही जा रहे हैं। वर्तमान में राज्य का 43 प्रतिशत भाग सूखा ग्रस्त है और 17 प्रतिशत भाग में तो बहुत ज्यादा हालत खराब है। पेड़ पौधे प्रभावित हो रहे हैं और समुचित रुप से विकसित नहीं हो रहे, जिसका सीधा असर शाकाहारी जानवरों पर पड़ रहा है, उन्हें पोषण नहीं मिल रहा। इन परिस्थितियों में वाइट टेल्ड डियर का विकास और प्रजनन दर प्रभावित हो रही है। ये हिरण डेज़ी का फूल, क्लोवर्स और अन्य हर्बेशियस, ब्लूमिंग प्लांट्स खाते हैं। इनसे नर डियर को ऐंटलर्स उगाने में मदद मिलती है। नर डियर की डाइट का 70 प्रतिशत भाग ये जड़ी बूटियां हैं, पर बसंत और गर्मी में सूखे की वजह से डियर को यह भोजन पर्याप्त मात्रा में नहीं मिल पा रहा है, इसलिए ऐंटलर्स का विकास प्रभावित हो रहा है। ऐंटलर्स नर हिरण के लिए बेहद महत्वपूर्ण होते हैं। दूसरे नर के साथ लड़ाई में, प्रजनन के लिए मादा को रिझाने में ऐंटलर्स की महत्वपूर्ण भूमिका होती है और ऐंटलर्स के अधिकतम विकास के लिए इन्हें पर्याप्त पोषण और भारी मात्रा में पानी की जरुरत होती है। हर वर्ष बसंत के अंत में नर के वार्षिक ऐंटलर्स उगना शुरु होते हैं। इस समय इनमें पानी का तत्व अधिक होता तथा शुष्क पदार्थ कम होता है। अगस्त के अंत में ऐंटलर्स ठोस होना शुरु होते हैं और जब ये पूर्ण विकसित हो जाते हैं तो इनमें रक्त आपूर्ति रुक जाती है। बसंत के आरंभ में ऐंटलर्स गिर जाते हैं और नए ऐंटलर्स आने लगते हैं। मिसिसिपी स्टेट युनिवर्सिटी के प्रोफेसर ब्रॉनसन स्ट्रिकलैंड ने कहा, ''हमने देखा है कि हिरण के ऐंटलर्स के साइज़ में हर वर्ष उतार-चढ़ाव होता है, जिसका संबंध सूखे व गर्मी से होता है।'' गर्भावस्था के समय मादा जिन पर्यावरणीय कारकों का सामना करती है उसका प्रभाव एक या दो वर्ष बाद उसके शावक के ऐंटलर्स के विकास पर पड़ता है। टैक्सस में हिरणों की आबादी 54 लाख है पर सूखे और जन्म दर में कमी की वजह से आबादी घटने की संभावना जताई जा रही है।

'मेरा फोकस अभी गुजरात पर है, गुजरात के बाद राजस्थान के बारे में निर्णय लूंगा'

खड़गे के इस कथन से यह स्थापित हुआ कि, गुजरात के चुनाव के बाद राजस्थान में व्याप्त अनिश्चितता का माहौल समाप्त होगा

- राजनीति की दृष्टि से यह उचित भी लगता है, क्योंकि, गहलोत को गुजरात चुनाव का मुख्य फायनैंसर माना जाता है। हालांकि, यह अलग बात है कि, काफी समय से गहलोत ने गुजरात के चुनाव अभियान के लिये कुछ पैसा नहीं भेजा है।
- बहरहाल, गहलोत अभी भी काफी प्रयासरत हैं कि, उनके भविष्य के बारे में निर्णय अभी टल जाये। पर, राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा, जिसके दिसम्बर के प्रथम सप्ताह में राजस्थान पहुंचने की संभावना है, इसलिए बेहतर होगा कि उससे पहले ही राजस्थान में कांग्रेस पार्टी के समक्ष प्रस्तुत, नेतृत्व की समस्या का हल हो जाये, अन्यथा आशंका है कि राहुल गांधी स्वयं गहलोत विरोधी व समर्थकों के बीच चल रहे राजनीतिक द्वंद के ''क्रास फायर'' में न फंस जायें।
- वयोवृद्ध नेता हेमाराम चौधरी के बाद दो युवा विधायक दिव्या मदेरणा व इंदिरा मीणा भी खुल्लम-खुल्ला मांग कर रहीं हैं कि, पायलट को मु.मंत्री बना दिया जाये, क्योंकि राजस्थान में कांग्रेस के विधायकों को जिता के लाने में उन्होंने भारी मेहनत की थी।

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 21 नवम्बर। राजस्थान के मुख्यमंत्री पद से अशोक गहलोत को हटाने में विलम्ब को लेकर कांग्रेसजनों तथा महिलाओं में हैरानी एवं अधीरता बढ़ती जा रही है। इसके अलावा राजस्थान कांग्रेस में अनिश्चितता एवं अस्थिरता के माहौल के समाधान में देरी को लेकर भी पार्टीजन बहुत व्यग्र हैं।

जब कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे से पूछा गया कि राजस्थान-समस्या का समाधान जल्दी से जल्दी कब हो जायेगा, तो उनका उत्तर था : ''गुजरात के चुनावों की समाप्ति तक मेरा पूरा ध्यान केवल गुजरात पर है। मैं गुजरात-चुनाव के बाद ही, राजस्थान पर निर्णय लूँगा।

मीडिया तथा राजनैतिक हल्कों में उनके इस जवाब का अर्थ यह लिया जा रहा है कि राजस्थान के मामले में निर्णय गुजरात चुनाव के बाद लिया जायेगा क्योंकि गहलोत गुजरात चुनाव के मुख्य पर्यवेक्षक तथा, जैसा कि माना जा रहा है, गुजरात चुनाव के लिये फंडिंग की व्यवस्था करने वाले प्रमुख व्यक्ति हैं।

लेकिन उन्होंने कितने पैसों की व्यवस्था की है, इस बारे में केवल अटकलें ही लगाई जा सकती हैं क्योंकि कुछ समय से तो उन्होंने इस चुनावाधीन राज्य में पैसा भेजा ही नहीं है।

गहलोत, हताशा की स्थिति के चलते, अपने मुख्यमंत्री पद के बारे में किसी भी निर्णय में देरी होने की कोशिश कर रहे हैं लेकिन राहुल गांधी की भारत जोड़ों यात्रा दिसम्बर के शुरू में राजस्थान पहुँचने पर, ऐसी आशंका है कि राहुल गांधी कहीं राज्य सरकार के गहलोत-समर्थकों तथा गहलोत-विरोधियों के बीच की टकराहट में न उलझ जाए।

गहलोत सरकार में शामिल पायलट-समर्थक हेमाराम चौधरी ने खुली माँग की है कि पायलट को मुख्यमंत्री बनाया जाना चाहिये क्योंकि उन्होंने राजस्थान में कांग्रेस को सत्ता में लाने के लिये कड़ी मेहनत की थी।

दिव्या मदेरणा तथा इंदिरा मीणा ने आज खड़गे से भेंट की तथा उनसे राजस्थान के संकट का समाधान करने के लिये कहा।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

रूस अब ''एनर्जी टैररिज़्म'' पर उतरा यूक्रेन के खिलाफ

यूक्रेन के बिजली घरों, ट्रांसमिशन लाइन्स व अब अन्य बिजली वितरण चेन्स को टारगैट कर रहा है रूस, अपनी मिसाइलों से

- इन ''मिसाइल एटैक्स'' के कारण यूक्रेन की विद्युत व्यवस्था के 40 प्रतिशत स्रोत नष्ट हो चुके हैं। नब्बे प्रतिशत विण्ड एनर्जी उत्पादन संयंत्र, 40 प्रतिशत से ज्यादा सोलर एनर्जी के संयंत्र क्षतिग्रस्त हो गये हैं।
- प्रारंभ से यूक्रेन ने अपने बड़े-बड़े थर्मल प्लान्ट्स को बचाने की रणनीति अपनायी थी। पर छोटे-छोटे बिजली घरों व ट्रांसफॉर्मरों, जो भारी संख्या में हैं, के लिये एन्टी मिसाइल सिस्टम उपलब्ध कराना संभव नहीं, अब रूस इन संयंत्रों को टारगेट कर रहा है।
- सर्दी बढ़ने से गर्म रहने के लिए यूक्रेन वासी पुराने लकड़ी के स्टोव, मोटे गर्म कपड़ों व गैस से चलने वाले हीटरों पर निर्भर हो गये हैं।
- गैस हीटर व लकड़ी को जलाने वाले स्टोवों की कीमत आसमान छूने लगी है।
- एक जटिल समस्या यह भी है कि, सहायता के रूप में प्राप्त गर्म कपड़ों व कम्बलों को दूर-दराज इलाकों में कैसे पहुंचाया जाये।
- युद्ध में मिल रही पराजय से काफी तिलमिला गया है रूस और इस अमानवीय ''एनर्जी टैररिज़्म'' पर उतर आया है।

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 21 नवम्बर। यूक्रेन के विरूद्ध सैन्य रूप से पिछड़ने के बाद रूस यूक्रेन की जनता को सर्दियों में परेशान करने की योजना बना रहा है ताकि यूक्रेन की सेना का प्रतिरोध न कर सके और उसके आगे घुटने टेक दे।

यूक्रेन का एनर्जी एण्ड हीटींग इन्फ्रास्ट्रक्चर रूस का निशाना बना हुआ है और उस पर बार-बार हमले किए गए हैं। इसके कारण यूक्रेन के बड़े शहरों में नियमित और लम्बे समय तक बिजली कटौती होती रही है।

नैशनल पब्लिक रेडियों की एक रिपोर्ट के अनुसार यूक्रेन के प्रधानमंत्री डेन्यस शमहाल ने यूरोपीय कमीशन के साथ शुक्रवार को हुई एक मीटिंग में कहा कि पिछले हफ्ते रूस की मिसाइलों के हुए व्यापक हमलों के बाद देश का करीब आधा एनर्जी सिस्टम ठप्प हो गया है। उन्होंने आगे कहा कि रूस युद्ध क्षेत्र में हुए नुकसान की भरपाई महत्वपूर्ण नागरिक सुविधाओं पर मिसाइल हमलों से कर रहा है। यूक्रेन के ऊर्जा मंत्री ने हाल ही हुए हमलों से पूर्व कहा था कि

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'80 लाख रू. में पार्षद का टिकट'

- दिल्ली में एक स्टिंग ऑपरेशन के आधार पर भाजपा ने दावा किया कि, आप पार्टी 80 लाख रू. में पार्षद का टिकट बेच रही है।

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 21 नवम्बर। भारतीय जनता पार्टी ने सोमवार को दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल पर आरोप लगाया कि वे दिल्ली नगर निगम चुनाव के लिए आप पार्टी के पार्षद के टिकट 80 लाख रू. में बेच रहे हैं। उन्होंने प्रैस कान्फ्रैंस में आप पार्टी की सदस्य बिंदु श्रीराम को पेश किया जिसने स्टिंग ऑपरेशन संइस कांड का पर्दाफाश किया।

भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता सम्बित यात्रा और दिल्ली भाजपा के विधायक विजेन्द्र गुप्ता ने दावा किया कि स्टिंग ऑपरेशन के दिखाया गया है कि किस प्रकार बिंदु श्रीराम से दिल्ली नगर की 52 नम्बर रोहिणी सीट से टिकट देने के लिए 80 लाख रू मांगे गए।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

उत्तर भारत को और अधिक महत्व देना चाहते हैं खड़गे

इस समय उनके अलावा, मन्निकम टैगोर, ए.के. एन्टनी, चिदंबरम, के.सी. वेणुगोपाल, जयराम रमेश व श्रीनिवास बी.वी. जैसे, दक्षिण भारत के नेताओं की भारी संख्या है, ए.आई.सी.सी. के पदाधिकारियों में

- खड़गे उत्तर भारत के नेताओं, जैसे तारिक अनवर, हरीश रावत, अजय माकन, सुरजेवाला, दीपेन्द्र हूडा, को और भारी जिम्मेवारी देकर, उत्तर भारत के पक्ष में संतुलन ठीक करना चाहते हैं।
- फरवरी में भारत जोड़ो यात्रा के बाद, कांग्रेस अधिवेशन आहूत कर खड़गे, वर्किंग कमेटी के चुनाव भी पूरा करना चाहते हैं।

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 21 नवम्बर। नव निर्वाचित कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे की कोशिश है कि सन्तुलन की स्थिति बनाये रखने के लिये, पार्टी में हिन्दी भाषी क्षेत्र के नेताओं को बराबर का महत्व दिया जाये क्योंकि इस समय पार्टी में शीर्ष नेताओं के रूप में, दक्षिणी राज्यों के नेताओं की बहुतायत है।

खड़गे स्वयं तो दक्षिण से हैं ही, उनके अलावा पार्टी में उच्च पदों पर आसीन अन्य नेता भी ज्यादातर दक्षिण से ही हैं। ऐसे प्रमुख नेता हैं-मणिक्कम टेगोर (स्टीअरिंग कमेटी के सदस्य तथा राहुल गांधी नजदीकी तथा विश्वसनीय नेता), पूर्व रक्षामंत्री ए.के.एन्टनी (अध्यक्ष, अनुशासन कमेटी), पूर्व केन्द्रीय मंत्री पी.चिदम्बरम, जो खड़गे के पार्टी अध्यक्ष बन जाने के बाद, राज्यसभा में विपक्ष के नेता बनने वाले हैं, ए.आई.सी.सी. महासचिव (संगठन) के.सी. वेणुगोपाल, ए.आई.सी.सी. महासचिव तथा प्रचार-प्रसार प्रभारी जयराम रमेश तथा इंडियन यूथ कांग्रेस के अध्यक्ष श्रीनिवास बी.वी.।

हिन्दी बैल्ट से आने वाले एक ए.आई.सी.सी. महासचिव ने कहा कि खड़गे एक ऐसा फॉर्मूला ला रहे हैं। जिसके तहत पार्टी के महत्वपूर्ण पदों पर हिन्दी-बैल्ट के नेता लाये जायें। ऐसे नेताओं में शामिल हैं-तारिक अनवर, हरीश रावत, अजय माकन, रणदीप सिंह सुरजेवाला तथा दीपेन्द्र हूडा। उन्होंने कहा कि खड़गे का जोर नये चेहरों, नये विचारों, नवीनतम तकनीक तथा नये तौर-तरीकों पर रहेगा।

खड़गे इस बात पर भी विचार कर रहे हैं कि फरवरी में, भारत जोड़ो यात्रा

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'महिला सम्मन क्यों नहीं ले सकती?'

- सुप्रीम कोर्ट ने अपराध संहिता के सैक्शन 64 को महिला के साथ पक्षपाती करार देने वाली याचिका पर केन्द्र सरकार से जवाब मांगा।

-जाल खंबाता -
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 21 नवम्बर। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को एक जनहित याचिका पर केन्द्र सरकार को नोटिस दिया जिसमें कोड ऑफ क्रिमिनल प्रोसीजर के भाग 64 को चुनौती दी गई है और महिलाओं के प्रति पक्षपाती बताया गया है क्योंकि इसमें उन्हें परिवार के सदस्य की तरफ से सम्मन स्वीकार करने की अनुमति नहीं दी गई है।

चीफ जस्टिस डी.वाय. चंद्रचूड़ और जस्टिस हिमा कोहली की बैंच ने

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

क्या तमिल ''कल्चर'' चाबी है भाजपा का दक्षिण भारत में प्रवेश का दरवाजा खोलने के लिये?

''हिन्दी विरोधी'' भावना, जो दक्षिण भारत की पार्टियां समय-समय पर उठाती हैं, राजनीतिक लाभ लेने के लिये, के जवाब में प्र.मंत्री मोदी ने महीने भर चलने वाले काशी-तमिल संगम प्रोग्राम का उद्घाटन किया बनारस में

- ''तमिल कल्चर'' को इतना भारी महत्व देने की नीति से तमिलनाडू की क्षेत्रीय पार्टियां काफी विचलित हैं।
- इस प्रोग्राम के तहत, आई.आई.टी. मद्रास व बनारस हिन्दू युनिवर्सिटी के संयुक्त तत्वावधान में तमिलनाडू के 2500 स्कूल व कॉलेजों के विद्यार्थियों को काशी लाया गया है। भगवान शिव की स्तुति व रूद्रम् के श्लोकों पर आधारित गायन को तमिलनाडू में सभी चैनलों पर दिखाया गया है।
- जैसा कि विदित ही है, भाजपा हर राज्य व क्षेत्र के लिये अलग रणनीति अख्तियार कर रही है: यू.पी. में बुलडोज़र राजनीति, महाराष्ट्र, दिल्ली व बंगाल में ई.डी. पर आधारित राजनीति। झारखण्ड व तेलंगाना में वहां के मु.मंत्री को व्यक्तिगत रूप से टारगेट करने की राजनीति, अब तमिलनाडू व दक्षिण भारत की 130 सीटों के लिये कल्चर आधारित राजनीति तैयार की गयी है।

-लक्ष्मण वेंकट कुची-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 21 नवम्बर। दक्षिण भारत की 130 लोकसभा सीटों का लक्ष्य साधने वाली भाजपा की ''दक्षिण योजना'' इस क्षेत्र में हिन्दी-विरोधी भावनाओं को नरम किये जाने पर निर्भर है। हिन्दी-विरोधी भावनाएं विशेष रूप से तमिलनाडु में ज्यादा प्रबल हैं जिसके फलस्वरूप पार्टी के प्रति लोगों का व्यवहार बड़ा रुखा रहता है क्योंकि वे भाजपा को ''हिन्दी-पार्टी'' कहकर खारिज कर देते हैं।

यह विचार उस समय खुलकर सामने आ गया, जब प्रधानमंत्री मोदी ने पिछड़े पखवाड़े में दक्षिण भारत के अपने दौरे में, तमिलनाडु में अंग्रेजी में बोलना जरूरी समझा, जबकि अन्य दक्षिण भारतीय राज्यों में उनका जोर हिन्दी पर ही रहा। भाजपा नेता जितना ज्यादा हिन्दी बोलते हैं, तमिलनाडु के लोगों को भाजपा को गले लगाने में उतना ही ज्यादा जोर आता है, भले ही उसकी अन्य नीतियाँ कितनी भी अच्छी क्यों न हों।

भाषा प्राय: एक भावनात्मक मुद्दा बन जाती है तथा डी.एम.के. (द्रमुक) के बड़े पैमाने पर तथा ए.आई.ए.डी.एम.के. (अन्ना द्रमुक) भी कुछ हद तक राजनैतिक काम के लिये, राज्य में अक्सर भाषा का राग अलापती रहती हैं, जबकि भाषा का मुद्दा कब का मर चुका है।

केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह द्वारा हिन्दी के विषय में हाल ही में की गई घोषणा के तमिलनाडु तक पहुँचने पर भाजपा को कोई लाभ नहीं हुआ तथा कर्नाटक एवं आंध्र प्रदेश के कुछ हिस्सों से ऐसी रिपोर्ट मिली हैं कि विपक्ष इसका जबरन आरोपण कर रहा है। यही कारण है कि हिन्दी विरोधी मुहिम का हल्का होना भाजपा की ''दक्षिण-योजना'' का आधार बन गया है तथा इसी के एक हिस्से के रूप में, भाजपा ने वाराणसी में एक महीने का ''काशी-तमिल संगमम'' समारोह आयोजित किया है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने उत्तर प्रदेश में इस समारोह का उद्घाटन किया ताकि तमिलनाडु की सांस्कृतिक विरासत के उपयोग के जरिये, भाजपा को तमिलनाडु में प्रवेश करने में मदद मिल सके तथा तमिल भाषा एवं संस्कृति की झंडाबरदार द्रविड पार्टियों के लिये मुश्किल पैदा की जा सके। अगर भाजपा तमिलनाडु के लोगों के मन में किसी तरह यह बात बैठाने में सफल हो गई

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

रेप व हत्या के आरोपियों की रिहाई को चुनौती देगी दिल्ली सरकार

- वर्ष 2012 के छावला गैंगरेप व हत्याकाण्ड के तीन आरोपियों को सैशन कोर्ट व दिल्ली हाई कोर्ट ने मौत की सजा दी थी, पर सुप्रीम कोर्ट ने तीनों को बरी कर दिया। अब दिल्ली सरकार इस फैसले के खिलाफ रिव्यू पिटिशन दायर करेगी।

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 21 नवम्बर। दिल्ली के उप राज्यपाल वी.के. सक्सेना दिल्ली सरकार को स्वीकृति दे दी है कि वह 2012 के छावला गैंगरेप-मर्डर केस में

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)